क्रिसमस और नया साल मुबारक हो !

प्रिय दोस्तो,

नए कलेवर में चकमक का यह 14 वाँ अंक है। इस दौरान रंगीन छपाई तथा बेहतर कागज़ के इस्तेमाल के बावजूद हमने चकमक की कीमत नहीं बढ़ाई। हमारी कोशिश रही कि हम इन खर्चों को विज्ञापन आदि जुटाकर पूरा करें। तमाम खर्चों तथा बढ़ते घाटे को हम बीते तेरहों महीने नज़रन्दाज़ करते रहे। पिछले एक साल में कागज़ की कीमत भी बढ़ी है। और अब चकमक को चलाए रखने के लिए हमें इसकी कीमत बढ़ानी पड़ रही है।

हमें आशा है इससे चकमक और तुम्हारे साझे/यकीन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

सुशील शुक्ल

फोटोः किशोर पँवार

चित्रः कनक

चकमक की नई दरें अब इस प्रकार होंगीः

एक प्रति

बीस रुपए

एक साल की सदस्यता

दो सौ रुपए - व्यक्तिगत

तीन सौ रुपए - संस्थागत

तीन साल की सदस्यता

पाँच सौ रुपए - व्यक्तिगत

सात सौ रुपए - संस्थागत

आजीवन सदस्यता

तीन हज़ार रुपए - व्यक्तिगत

चार हज़ार रुपए - संस्थागत

फोटोः किशोर पँवार